नगर विकास योजना का मूल्यांकन
विशाखापतनम

मार्च 2006

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान
कोर 4 बी, भारत पर्यावास केन्द्र
लोदी रोड़, नई दिल्ली - 110003

किसी प्रकार की शंका होने पर कृपया सुश्री उषा रघुपति से ई मेल से सम्पर्क करें (email:uraghupathi@niua.org)

नगर विकास योजना का मूल्यांकन - विशाखापतनम

विशाखापतनम् की नगर विकास योजना (सीडीपी) भली-भांति तैयार और प्रस्तुत की गई है। विशाखापतनम् की प्रकट संकल्पना " आर्थिक रूप से जीवंत शहर" बनने की है।

हितबद्ध पक्षों से विचार विनिमय

नगर विकास योजना सिटीज़ एलायंस की सहायता से वर्ष 2005 में तैयार नगर विकास नीति पर आधारित है। सीडीपी में उल्लेख है कि योजना को अंतिम रूप देने से पूर्व, हितबद्ध पक्षों से व्यापक परामर्श किया गया। हितबद्ध पक्षों में समाज व अर्थव्यवस्था के सभी पक्ष शामिल थे तथा गरीबों के साथ विचार-विनिमय इस प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा था।

वर्त्तमान स्थिति का विश्लेषण

सीडीपी में वर्त्तमान स्थिति का सांगोपांग विश्लेषण किया गया है।

जनांकिकी खंड में बताया गया है कि ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम (जीवीएमसी) की जो आबादी 2001 में 9.69 लाख थी वह 2006 में बढ़ कर 14.5 लाख हो गई है तथा वर्ष 2011 में उसके बढ़ कर 16.61 होने का अनुमान है (पृष्ठ 19)। वर्ष 2001 और चालू वर्ष (2006) के बीच आबादी की वृद्धि दर करीब 50% रही है जो मुख्यतः आस-पास के क्षेत्रों को शहर में शामिल कर लिए जाने के कारण है। वर्ष 2006 से 2011 के बीच करीब 26% की जनसंख्या वृद्धि दर का अनुमान है।

शहर का आर्थिक आधार भी सही तरह से प्रस्तुत किया गया है और उसमें बताया गया है कि शहर की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में उद्योगों, सेवाओं, परिवहन एवं संबंधित सेक्टरों, व्यवसाय व व्यापार का योगदान है(देखिए पृष्ठ 21,22)।

शहर की शासन व्यवस्था का सही-सही चित्रण है तथा उसमें शहर के अन्दर आधार-ढांचे और सेवाओं की व्यवस्था में जुटी एजेन्सियों का स्पष्ट उल्लेख है। विभिन्न विभागों के बीच अन्तः संबंधों के साथ विभिन्न सरकारी निकायों की भूमिका और जिम्मेदारियों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है(पृष्ठ 37)। सीडीपी में कार्यात्मक अधिव्यापन तथा तालमेल की समस्याओं को भी ठीक तरह उजागर किया गया है।

राज्य स्तर और नगर स्तर पर शुरू किए गए सुधारों को भी सीडीपी में पूरी तरह दर्शाया गया है, जिनमें ई-गवर्नेंस प्रयासों, एकल स्थान शापिंग सुविधा, जीआईएस मानचित्रण प्रयास, टैरिफ संशोधनों के अलावा पब्लिक-प्रायवेट पार्टनरशिप प्रयास भी दर्शाए गए हैं।

आधार-सरंचना का भी सही चित्रण है, इसके अन्तर्गत भौतिक व वित्तीय संदर्भो में सेवाओं की पूरी तस्वीर दी गई है। यथा-

क. जलआपूर्ति - शहर में कुल जल उपलब्धता 37 मिलियन गैलन दैनिक है और प्रतिव्यक्ति जलआपूर्ति 62 लीटर दैनिक है (पृष्ठ 45)।

ख. वर्ष 2006 के लिए प्रायोजित 19.25 मिलियन आबादी हेतु प्रायोजित जल मांग 87 मि. गैलन दैनिक है (तालिका 4.5, पृष्ठ 49) । पृष्ठ 19 पर तालिका 2.3 में आबादी के आंकड़े तालिका 4.5 से भिन्न हैं, जो नीचे दर्शाए गए हैं :

वर्ष	आबादी (तालिका 2.3) लाख में	वर्ष	आबादी (तालिका 4.5) मिलियन में
2006	14.5	2006	19.25
2011	16.61	2010	22.8
2021	20.99	2020	26.7

1. यह स्प्ष्ट नहीं है कि दोनों तालिकाओं में एक से वर्ष और आंकड़े क्यों नहीं दिए गए हैं। इसकी जांच कर संशोधन करना आवश्यक है।

ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम

तालिकाएं संशोधित कर दी गई हैं जो आगे दी गई हैं। तालिका 2.3 और 4.5 के वर्ष और जनसंख्या आंकड़े अब समान है।

तालिका 4.5 : विभिन्न समान वर्षों में आपूर्ति में कमी

वर्ष	प्रायोजित आबादी लाख में	जल माँग (मि. गैलन दैनिक)	वर्तमान जल प्राप्ति (मि. गैलन दैनिक)	कमी (मि. गैलन दैनिक)
2006	14.5	87	40	46.75
2011	16.61	97.7	40	57.45
2021	20.99	124	40	83.75

इसके अलावा नीचे की तालिका भी संशोधन के साथ प्रस्तुत है।

तालिका 4.2 शहरी आधार संरचना में लागत वसूली

आधार संरचना	सेवा में लागत खर्च (करोड़ रू.)			सीधी वसूली (करोड़ रू.)		
	2002/03	2003/04	2004/05	2002/03	2003/04	2004/05
जल आपूर्ति	17.67	23.00	24.00	46.58	47.00	51.36
सीवरेज(अपजल निकासी)	1.93	2.87	6.27	1.41	1.66	1.55
कचरा निपटान	18.60	22.61	25.88	0.66	2.11	2.10
सार्वजनिक बस सेवाएँ	70.53	81.12	93.96	73.77	84.84	97.08

2. तालिका 4.5 से यह भी जाहिर नहीं है कि दिए गए वर्षों में प्रति व्यक्ति जल आपूर्ति के क्या स्तर प्रस्तावित हैं।

ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम

अपेक्षित तालिका नीचे दी जाती हैः

वर्ष	**प्रति व्यक्ति दैनिक जल आपूर्ति**	
	घरेलू	*कुल (औद्योगिक उपयोग सहित)*
2006	62	270
2011	120	265
2021	160	266

शहरी गरीबों को बुनियादी सेवाएं

गरीबों बाबत मुद्दे अध्याय V में हैं। यों इस अध्याय में पर्याप्त सूचना दी गई है तथापि विगत एक या दो दशकों के दौरान स्लमों और स्लम आबादी की वृद्धि तथा उन्हें सेवाओं की प्राप्ति (अर्थात् सुरक्षित पेयजल आपूर्ति प्राप्त स्लमवासियों का प्रतिशत) भी इस मुद्दे को सही तरह से समझने के लिए दिया जाए।

3. विगत एक या दो दशकों के दौरान स्लमों और स्लम आबादी की वृद्धि तथा उन्हें सेवाओं की प्राप्ति को दर्शाने वाली तालिका भी उपलब्ध कराई जाए।

ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम

वांछित तालिका इस प्रकार हैः

स्लम आंकड़े

वर्ष	2000	2001	2002	2003	2004	2005
स्लमों की संख्या	198	215	230	251	342	472
स्लम आबादी (लाख)	2.3	2.5	2.6	2.68	2.75	2.83
पेयजल व्याप्ति %	20	23	28	35	42	60
सीवरेज व्याप्ति %	13	15	16	18	21	25
रोड नेटवर्क %	37	41	46	51	59	66
पानी निकासी %	22	28	33	35	39	45
पथ प्रकाश व्याप्ति %	33	40	48	56	62	69

वित्तीय निष्पादन

ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम के वित्त का उल्लेख अध्याय IX में है, जबकि वित्तीय स्थिति के ब्यौरे अनुलग्नक में हैं।

तालिका ए-1 (पृष्ठ 138) के आंकड़ों से जाहिर है कि इस नगर निगम ने राजस्व खाते में विगत 5 वर्षों के दौरान मुनाफा (सरप्लस) दिखाया है।

1. राजस्व आय 2000-01 में 81.20 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2004-05 में 149.79 हो गई।
2. इस अवधि में व्यय 56.76 करोड़ रू. से बढ़कर 74.91 करोड़ रू. हो गया।
3. इस अवधि में राजस्व सरप्लस 24.43 करोड़ रू. से बढ़कर 74.87 करोड़ रू. हो गया।
4. इस अवधि में पूंजी आय क्रमशः 1.47 करोड़ रू. और 15.21 करोड़ रू. के बीच रही जबकि पूंजी व्यय क्रमशः 12.39 करोड़ रू. व 106.32 करोड़ रू. के बीच रहा।

नगर निगम की राजस्व आय की वृद्धि दर जहाँ विगत 5 वर्षों में 0.6% और 45.65% के बीच घटती-बढ़ती रही, वहीं वर्ष 2005-06 से 2011 की अवधि हेतु प्रायोजित वृद्धि दर का आधार स्पष्ट नहीं है। वृद्धि दर 7% और 44% के बीच घट-बढ़ दर्शाती है तथा 2010-11 और 2011-12 के लिए शून्य वृद्धि दर दर्शाती है। (तालिका 9.5, पृष्ठ 131)। इसे स्पष्ट किया जाए। तालिका 9.5 पृष्ठ 141 की तालिका ए-9 की संगति में नहीं है। इसे भी स्पष्ट किया जाए।

4. तालिका 9.5 पृष्ठ 141 की तालिका ए-9 के संगत नहीं है।

ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम

तालिका 9.5 सही कर दी गई हैं, जो नीचे दी गई है। वर्ष 2005-06 और 2011-12 की अवधि में राजस्व वृद्धि दर अब सकारात्मक है जो 14.6% और 15.4% है।

तालिका 9.5 निवेश पुष्टि

(करोड़ रू.)

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
सुधार रहित							
राजस्व आय	172	198	227	262	301	346	399
राजस्व व्यय	78	98	107	118	130	143	157
निवेश अधिशेष	94	100	120	144	171	203	242
सुधार-सहित							
राजस्व आय	172	282	308	336	401	439	490
राजस्व व्यय	78	98	107	115	125	135	145
निवेश योग्य अधिशेष	94	184	201	221	276	304	345

भावी संकल्पना और कार्यनीतियाँ

जहाँ शहर के बारे में समग्र संकल्पना है, वहीं सेक्टर-वार संकल्पना भी दी गई है। प्रत्येक सेक्टर की मुख्य चुनौतियों, लक्ष्यों, सेवा-परिणामों और कार्यनीतियों व कार्रवाई योजना का भी सीडीपी

में उल्लेख है। प्रत्येक खंड में मिशन, विज़न उद्देश्य व परिणाम दिए गए हैं। प्रत्येक घटक के अन्तर्गत योजनाबद्ध कार्यों को मियाद के साथ दर्शाया गया है।

सीडीपी में धन व्यवस्था का प्राथमिकता क्रम भी है। जल-आपूर्ति को उच्च प्राथमिकता दी गई है, उसके बाद सीवरेज़, कचरा निपटान, यातायात व परिवहन, बरसाती पानी की निकासी व शहरी गरीबी का प्राथमिकता क्रम है।

पूँजी निवेश योजना

पूँजी निवेश योजना में कुल 8317 करोड़ के प्रोजेक्ट (एमआरटीएस को छोड़कर) हैं। एमआरटीएस हेतु 6240 करोड़ रू. का प्रस्ताव है (पृष्ठ 130)। तालिका 8.7 (पृष्ठ 121) तथा तालिका 9.4 (पृष्ठ 130) में विसंगति है। दोनों तालिकाओं में धन की जरूरत अलग-अलग है। तालिका 8.7 में धन की जरूरत 8747.7 करोड़ रू. (एमआरटीएस छोड़ कर) दिखाई गई है। तालिका 8.1 से 8.6 में दी गई सेक्टर-वार धन आवश्यकता तालिका 8.7 के आंकड़ों के अनुरूप है। विसंगति की जाँच कर उसे सही किया जाए।

5. तालिका 8.7 व 9.4 की विसंगति दूर की जाए।

ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम

तालिका 9.4 सही कर पुनः दी जाती है, अब यह तालिका 8.7 के अनुरूप है।

तालिका 9.4 नगर निवेश योजना-सेक्टर-वार निवेश, वर्ष 2005-12

सेक्टर	वर्ष-वार धन की जरूरत (करोड़ रू.)							
	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5	वर्ष 6	वर्ष 7	कुल
जल-आपूर्ति	113.8	316.8	384.6	379	383	309.8	138.1	2025.3
सीवरेज़	41.4	176.8	229.1	214.2	211.4	179.5	4.9	1050.8
यातायात परिवहन नगर निगम	210.6	413	449.6	307.8	210	170.7	67.9	1829.4
बरसाती पानी की निकासी	18.3	116.4	116	66.8	40	12	1	370.3
कचरा निपटान	6.4	40.8	46.2	26.0	6.3	6.3	4.1	135.7
शहरी गरीबों को बुनियादी सेवाएँ	261	966.1	1016.6	481.7	304.9	235.4	70.6	3336.2
कुल(एम.आर.टी.एस छोड़कर)	651.5	2029.9	2241.1	1449.5	1149.3	907.4	281.5	8747.7
एम.आर.टी.एस				1500	1500	1500	1740	6240
कुल (एम.आर.टी.एस सहित)	615.5	2029.9	2242.1	2949.5	2649.3	2407.4	2021.5	14987.7

रा.न.का.सः सीडीपी अब शहरी कायाकल्प अभियान टूलकिट 2 के अनुरूप है।